भजन

तर्ज–तेरे मेरे सपने अब एक रंग

तेरी मेरी छोड़ धनी का करते संग हैं
कहनी करनी से परे मोमिन हक के अंग हैं

1–दुनिया की रस्मों से,उल्टी चाल हैं चलते
पीठ दुनी को देते,हैं पिया के सन्मुख रहते
कहलाते सुन्दरसाथ हैं

2– है ईमान धनी पर,विश्वास अटल है इनका
लाख मुसीबत में भी कायम यकीन रखते हैं
धनी भी इनके साथ हैं

3– सुन्दरसाथ की सेवा,हर पल करते रहते
सेवा में ही मग्न हैं,सेवा में ही रहते हैं
सेवा ही इनके पास है

4– करते नहीं हैं दिखावा,आत्म निर्मल है इनकी
छ्ल और कपट से जुदा हैं,प्रीत पिया से इनकी
धनी ही इनके पास हैं

5– हादी के कदमों पर,हरदम कदम रखते हैं
वाणी के रास्ते पर ही,ये सदा चलते हैं
वाणी पे ही विश्वास है

6– आत्म से ही ये धनी की,करते पल पल चितवन
इतहीं बैठे लेवें,साथ में होवें धन धन
मोमिन ही ये सिरताज हैं

7– जग अंधियारे में भी,फैले प्रकाश इन्हीं का
खुद जागें और जगाये,लेवे प्यार धनी का
मोमिन ये खासलखास हैं